–ओम शांति–

श्रेष्ठ पुरुषार्थ में लगी हुई, बाबा को प्रत्यक्ष करने की उमंगों में तत्पर योगी आत्माओं,
आप सभी को बहुत बहुत याद–प्यार व दीवाली की बहुत–बहुत बधाई हो !

समय अपनी अन्तिम परछाई फेंक रहा है, अव्यक्त बापदादा का भी पार्ट न्यून होता जा रहा है। वह हमारा परमशिक्षक है, उसने हमारी बहुत पालना की है। अब वह हमसे उस पालना का रिटर्न भी चाहता है। रिटर्न है ही अपनी श्रेष्ठ स्थिति बनाकर चेहरे व चलन से सबको बाबा की ओर आकर्षित करना।

हम सभी पूर्वज आत्माएँ हैं व विश्व कल्याणकारी हैं। हमें इन दोनों की स्मृति को बहुत बढ़ाना है। पूर्वज बनकर हमें सबकी पालना करनी है और अपने विश्व कल्याणकारी स्वरुप को इमर्ज करना है। स्वीकार करो कि विश्व कल्याण की जिम्मेदारी हमारे ऊपर है। महसूस करो इस जिम्मेदारी को। चिन्तन करें, जैसे हम सब अपनी जिम्मेदारियों को जी जान लगाकर पूर्ण करते हैं, वैसे ही यह महान जिम्मेदारी तो हमे स्वयं भगवान ने दी है और इसे पूर्ण करने की शक्ति भी दी है, तो इसे भी हमें तत्परता से निभानी है।

हमारी जिम्मेदारी हैं दु:खियों के दुख दूर करना। हमारी जिम्मेदारी है सभी को पवित्रता का मार्ग दिखाना। हमारी जिम्मेदारी है प्रकृति को पूर्ण करना। इसके लिए स्वयं को तैयार भी करें व इस कार्य में संलग्न हो जायें।

दीपावली का सुनहरा पर्व पुनः उमंग-उत्साह लेकर आ गया है। हमें अपनी चमक बहुत बढ़ानी है। हमारे तेज से ही विश्व से अज्ञान का अन्धकार दूर होगा। याद रहे व्यर्थ संकल्पों से आत्म-ज्योति मंद पड़ती है और श्रेष्ठ विचारों से यह ज्योति विश्वव्यापी बनती है। तो बढ़ते चलो बढ़ाते चलो। इन्हीं शुभ भावनाओं के साथ सभी महानात्माओं को दीवाली की कोटि-कोटि बधाईयाँ। यह दीवाली आपके जीवन में सफलता के द्वार खोले, यह पर्व आपको प्रगति पथ पर अग्रसर करे, हम सबकी यही शुभ-कामना है।

ईश्वरीय सेवा में -
बी.के.सूर्य
एवं
तीव्र पुरुषार्थी ग्रुप
मधुबन